



प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, दिसम्बर 10, 2010

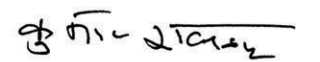
एनएमडीसी लिमिटेड, जो भारत सरकार के अधीन एक नवरत्न सरकारी क्षेत्र उद्यम है तथा ओजेएससी सेवेरेस्टल जो एक अग्रगामी शीर्षस्थ अंतर्राष्ट्रीय इंटीग्रेटेड इस्पात एवं खनन कंपनी है, ने घोषणा की है कि उन्होंने भारत में इंटीग्रेटेड इस्पात संयंत्र की स्थापना हेतु एक संयुक्त वेंचर कंपनी बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस संयुक्त वेंचर कंपनी का प्रस्ताव है कि रूस में इसकी एक केप्टिव कोकिंग कोल खनन सहायक कंपनी हो तथा भारत में लौह अयस्क खनन सहायक कंपनी हो, जिससे इस प्रस्तावित इस्पात संयंत्र को, इस्पात बनाने के लिए, जटिल कच्ची सामग्रियों की दीर्घकालीन आपूर्ति, सुनिश्चित की जा सके। यह संयंत्र जिसका निर्माण कर्नाटक राज्य सरकार में होगा, की प्रारंभिक क्षमता 2 मिलियन टन प्रति वर्ष होगी और आगे चलकर 5 मिलियन टन प्रति वर्ष तक बढ़ायी जाएगी।

इस संयुक्त वेंचर कंपनी में एनएमडीसी तथा सेवेरेस्टल - प्रत्येक को 50% अंशधारिता रहेगी और एक वरिष्ठ प्रबंधन दल की नियुक्ति की जाएगी।

श्री अलेग्जे मोर्डशोव, ओजेएससी, सेवेरेस्टल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि " सेवेरेस्टल के लिए इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना एक महत्वपूर्ण रणनीतिपरक विकासात्मक कदम होगा " क्योंकि इससे विश्व के एक प्रमुख आकर्षक प्रभावशाली बाजार में इंटीग्रेटेड इस्पात संयंत्र की स्थापना होगी।

श्री राणा सोम, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी ने कहा कि " एनएमडीसी एवं सेवेरेस्टल, दोनों अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावशाली हस्तियां हैं, इनकी भागीदारिता उनकी शक्तियों को एकीकृत करेगी तथा उनकी क्षमताओं में वृद्धि लाएगी और इससे एक ओर दोनों कंपनियों के लिए नए अवसर मिलेंगे, दूसरी ओर भारत और रूस के बीच स्थित मैत्रीभाव सुदृढ़ होगा।


(कुमार राघवन)

कंपनी सचिव एवं अधिशासी निदेशक(नै.सं.)